बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

दानिय्येल और शेरों की माँद

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Jonathan Hay

रूपान्तरकार: Mary-Anne S.

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2014 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

दारा बाबुल का नया राजा था। वह चतुर था। वह अपने शासन कल में मदद के लिए अपने राज्य में से सर्वश्रेष्ठ एक सौ बीस लोगों को चुना। फिर वह उनमें से तीन को उनका अधिकारी होने के लिए चुना।
दानिय्येल उन
तीन लोगों में
से एक था।

राजा दारा ने दानिय्येल का बहुत सम्मान किया यहाँ तक कि उसे पूरे राज्य पर शासक बनाने के बारे में सोच रहा था।

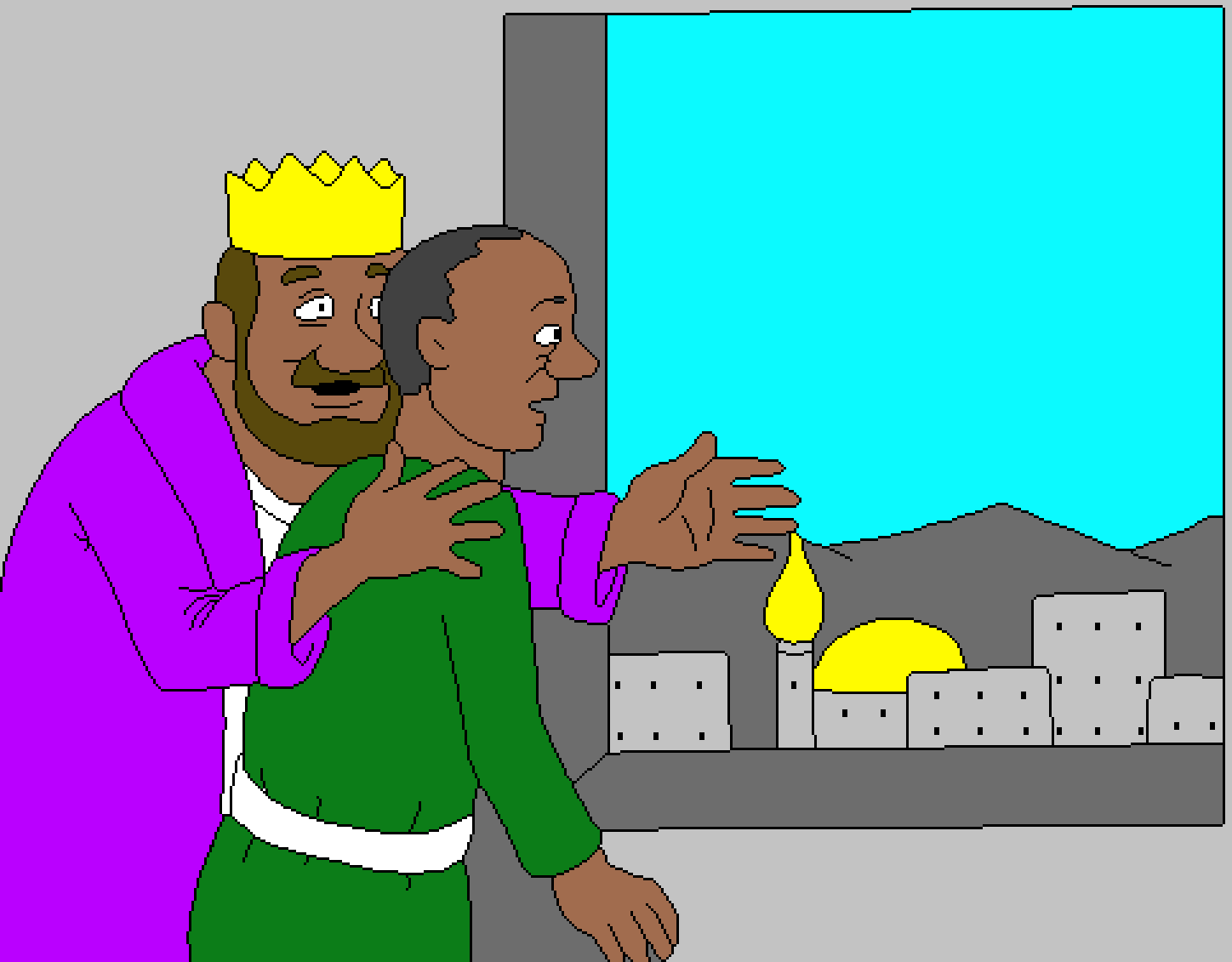

अन्य अगुवे ईर्ष्या करने लगे। वे दानिय्येल में कुछ गलती खोजने की योजना बनाये ताकि राजा का दानिय्येल के साथ कुछ समस्या पैदा कर सकें।

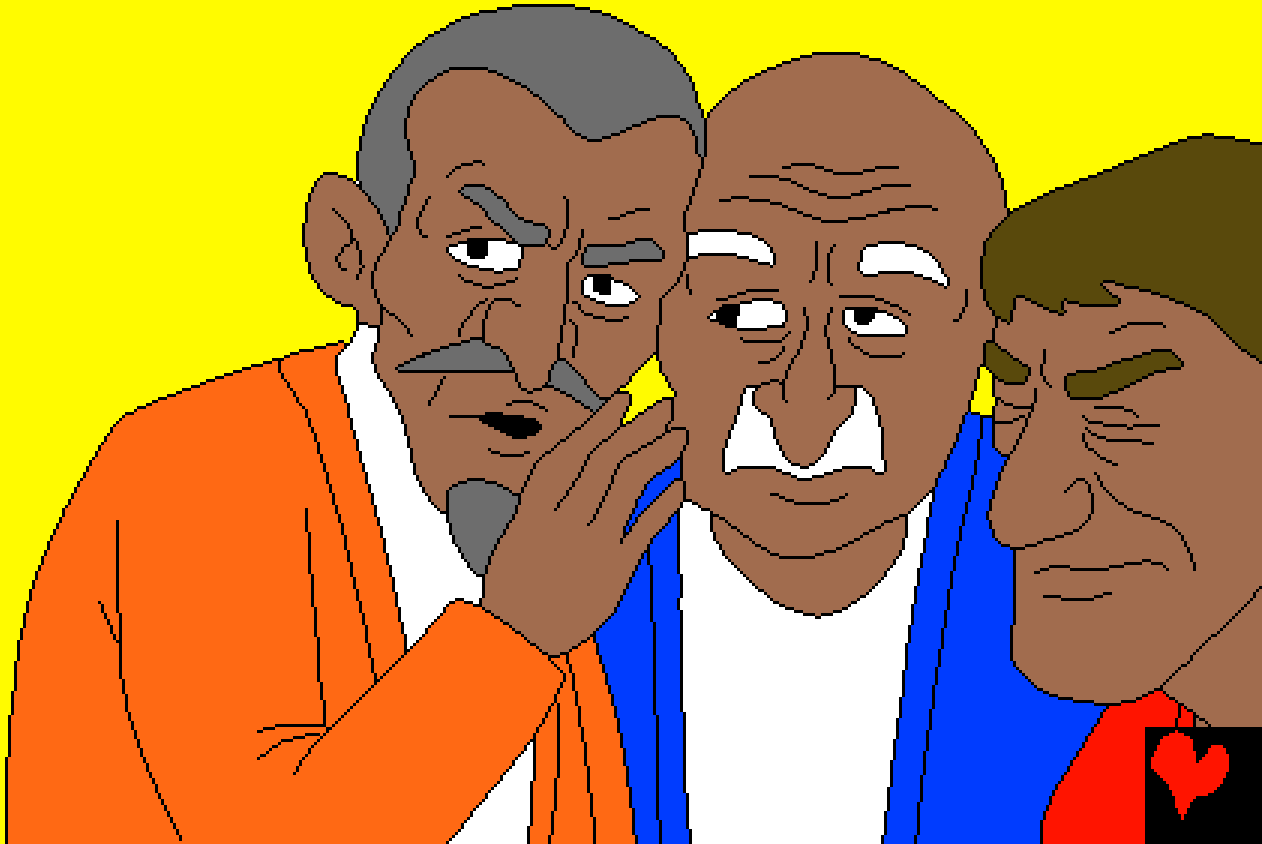

कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कितनी कोशिश किये, लेकिन इन अगुओं ने दानिय्येल के बारे में कुछ बुरा नहीं पाया। दानिय्येल जो कुछ भी किया सब सच्चाई से किया। इसके अलावा, वह सावधान और चालाक था; और हमेशा सब कुछ करता, सर्वश्रेष्ठ तरीके से करता था।

ईर्ष्या करने वाले नेताओं को अब पता चल गया कि दानिय्येल को फ़साने का सिर्फ एक ही रास्ता है। वे जानते थे कि पृथ्वी पर कुछ भी उसे इस्राएल के परमेश्वर की पूजा करने से नहीं रोक सकती है।

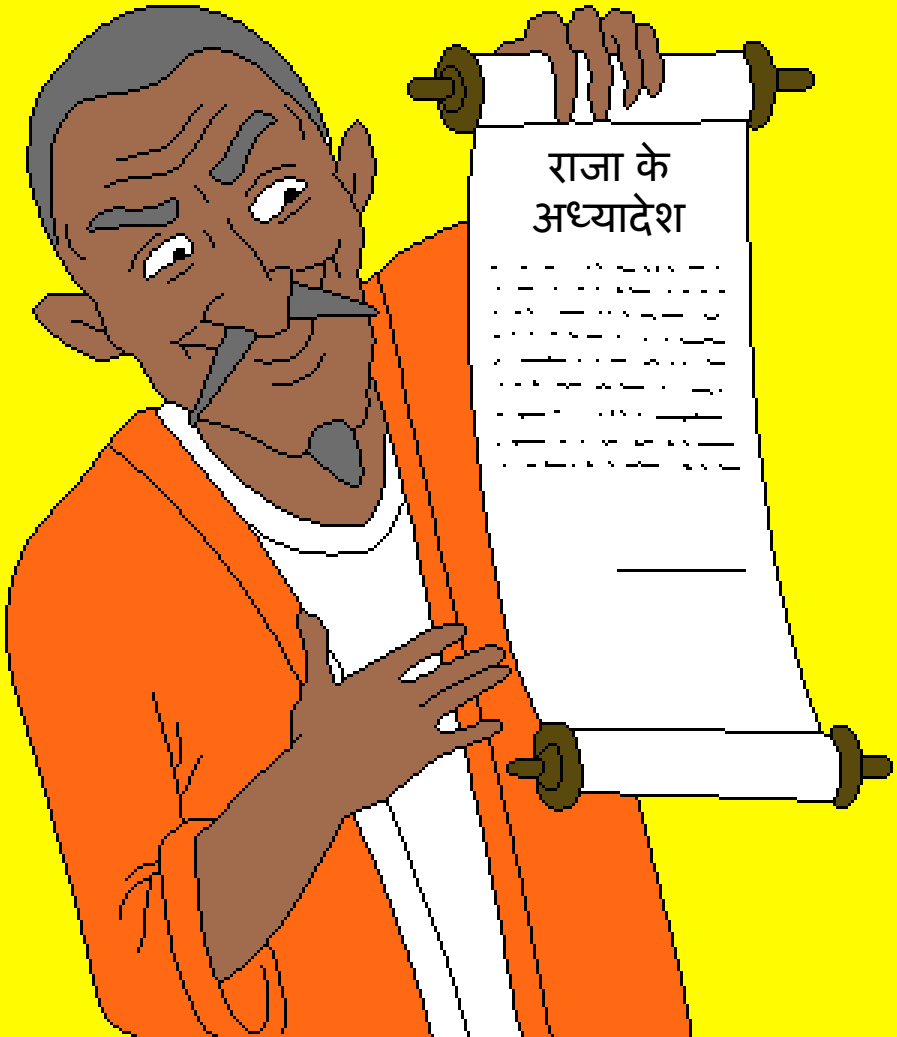

दानिय्येल के दुश्मनों ने एक और योजना बनायी। उन्होंने एक नया कानून बनाया ताकि राजा उनपर हस्ताक्षर करे। कानून के अनुसार हर किसी को केवल राजा से ही प्रार्थना करनी थी। यदि कोई भी बात नहीं माने तो उसे शेर की माँद में फेंक दिया जाए!

राजा दारा ने नए कानून पर हस्ताक्षर किया।

नए कानून से दानिय्येल को कोई फर्क नहीं पड़ा। वह जो हमेशा से करता आया था, करता रहा। वह अपनी खुली खिड़की से दिन में तीन बार घुटने पर आकर, स्वर्ग के परमेश्वर से प्रार्थना किया करता था।

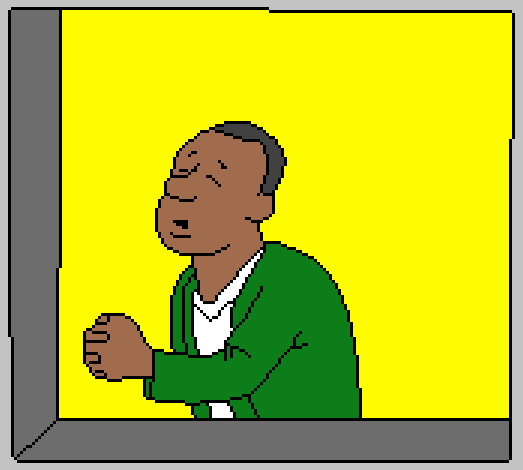

ईर्ष्या करने वाले अगुओं ने राजा को बताने के लिए रवाना हो गये। दानिय्येल को गिरफ्तार करने के अलावा राजा दारा के पास और कोई चारा नहीं था। कानून का पालन किया जाना था। दानिय्येल मरने पर था। राजा ने बहुत कोशिश की, लेकिन कानून को बदलने के लिए उसे कोई भी रास्ता नहीं मिला।

दानिय्येल को शेर की माँद में डालने के द्वारा मृत्यु की सजा सुनाई गयी। दानिय्येल को भूखे शेर की माँद में डालने से पहले, राजा दारा ने उस से कहा, "तुम जिस परमेश्वर की लगातार सेवा करते हो, वही तुम्हें बचायेगा!"

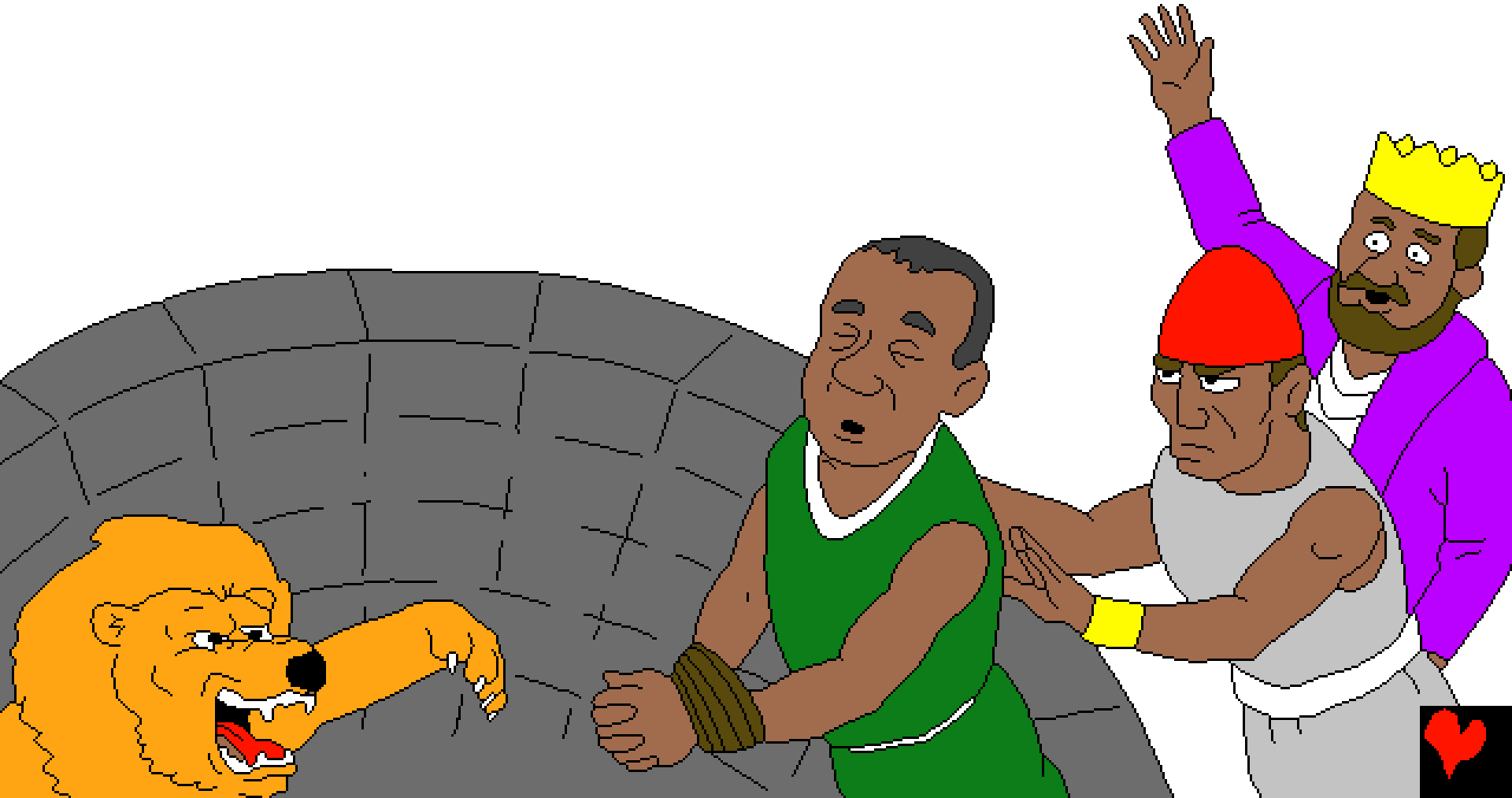

राजा उस रात सो न सका। तड़के अगली सुबह, वह वापस शेर की माँद पर पहुँचा।

राजा दारा ने पुकार कर कहा, "दानिय्येल, जीवित परमेश्वर जिसकी तू लगातार सेवा करता है, क्या तुम्हे शेरों से बचा लिया है?" हो सकता है कि वह जवाब की उम्मीद नहीं कर रहा था। लेकिन दानिय्येल ने जवाब दिया!

दानिय्येल ने कहा, हे राजा "मेरे जीविते परमेश्वर ने अपने दूत को भेजा और शेर का मुँह बंद कर दिया। अतः वे मुझे चोट नहीं पहुँचा सके है! और मैं भी तुम्हारे विरुद्ध कुछ गलत नहीं किया हूँ।"

राजा दारा बहुत खुश था! उसने दानिय्येल को माँद से बाहर निकालेन का आदेश दिया।

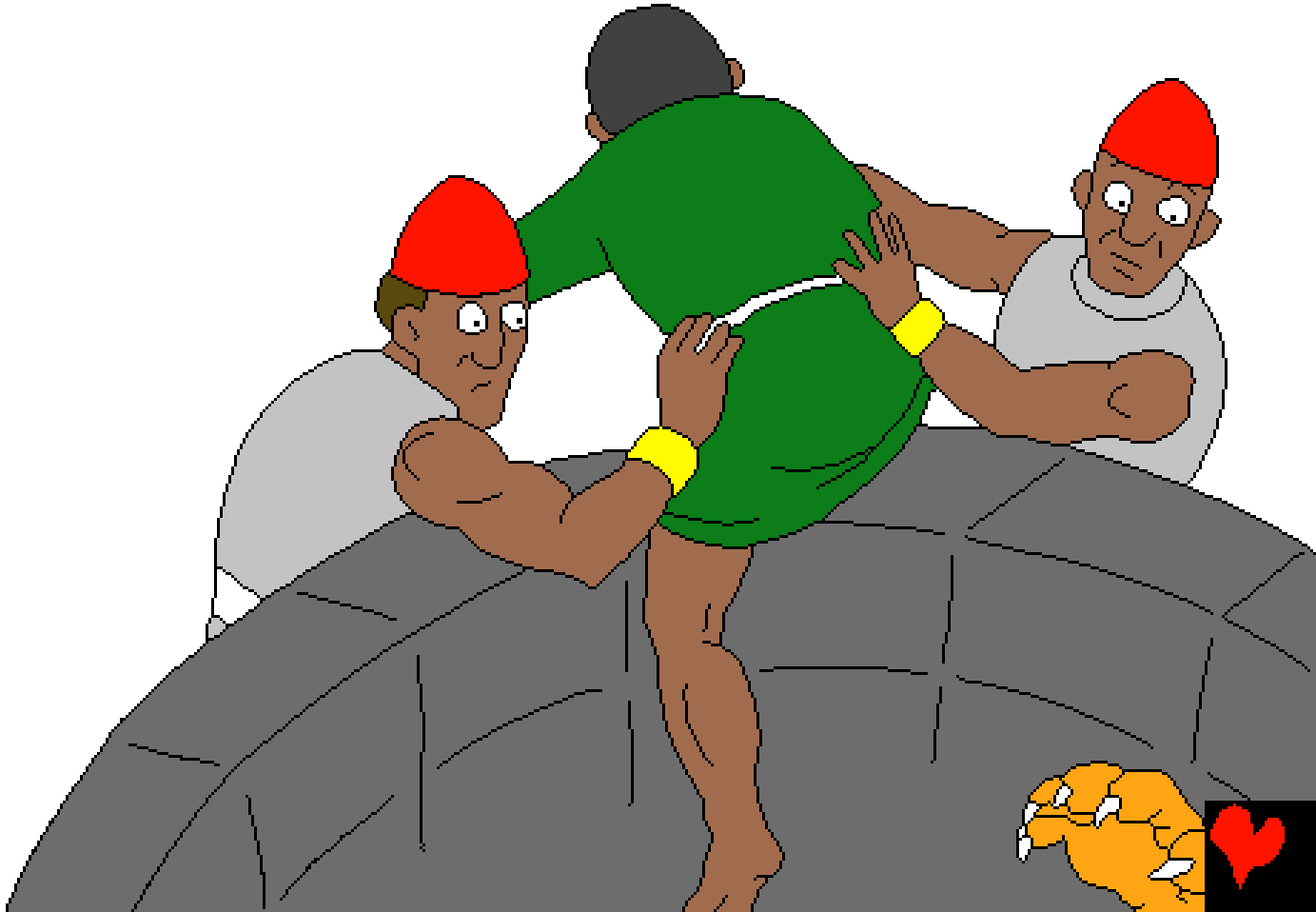

राजा जानता था कि
परमेश्वर ने दानिय्येल को
बचाया है और दानिय्येल के दुश्मन
अब परमेश्वर के दुश्मन थे। उसने
एक आदेश दिया, और बुरे
कानून पर हस्ताक्षर
करने के लिए उसे
धोखा देने वाले
उन सभी को शेर
की माँद में फेंक
दिया गया।
शेरों ने उन्हें
खा लिया।

राजा दारा स्वर्ग के परमेश्वर के बारे में पूरी दुनिया को बताना चाहता था; कि कैसे उसने अपने वफादार सेवक, दानिय्येल की रक्षा की है। राजा ने एक पत्र लिखा जिसमे जीविते परमेश्वर की पूजा करने के लिए हर किसी को आज्ञा दी गयी थी। और राजा ने दानिय्येल का सम्मान किया और नेतृत्व करने के लिए उसे बहाल किया।

दानिय्येल और शेरों की माँद

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

दानिय्येल 6

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16